Baba’s Praise

14/4/2015

- भगवान एक है, वही पतित पावन है। ज्ञान का सागर, सुख का सागर है। वही ऊंच ते ऊंच है। यह निश्चय हो जाए तो फिर भक्ति मार्ग के जो शास्त्र, वेद अथवा गीता भागवत है, सब खण्डन हो जाएं। भगवान तो खुद कहते हैं, यह मैंने नहीं सुनाया है। मेरा ज्ञान शास्त्रों में नहीं है। वह है भक्ति मार्ग का ज्ञान। मैं तो ज्ञान दे सद्गति करके चला जाता हूँ।
- बाप आते ही हैं कब्र से जगाने। शास्त्र आदि पढ़ने से तो नहीं जगेंगे। परम आत्मा है ज्योति स्वरूप तो उनके बच्चे भी ज्योति स्वरूप हैं।

- यह है ऊंच ते ऊंच बाप ज्ञान का सागर। बाप यह ज्ञान अभी ही देते हैं।

- बहुत मीठा माशुक है। उनको जितना याद करेंगे तो हमारे विकर्म विनाश होंगे

- याद में रहने से ही कल्याण होगा। बाकी जास्ती समझाने से कल्याण नहीं होगा। समझते कुछ नहीं हैं। अल्फ बिगर काम कैसे चलेगा? एक अल्फ का पता नहीं बाकी तो बिन्दी, बिन्दी हो जाती।

- बाप तो है कल्याणकारी। तो कल्याण के लिए ही राय देते हैं।